



सत्यमेव जयते

संख ६

संख्या २१

बिहार विधान सभा वादवृत्त
सरकारी रिपोर्ट

मंगलवार, तिथि ६ मार्च, १९५६।

Vol. IX

No. 21

The
Bihar Legislative Assembly
Debates
Official Report.

Tuesday, the 6th March, 1956.

अधीक्षक, सचिवालय मुद्रणालय, बिहार,
पटना, द्वारा मुद्रित,
१९५६।

[मूल्य—६ आना।]

[Price—6 Annas.]

श्री बदरी नाथ वर्मा—(१) उत्तर स्वीकारात्मक है।

(२) उक्त शिक्षक, श्री सुरेन्द्र तांती ने अनकुआं लोअर प्राइमरी पाठशाला में लगभग तीन महीने तक काम किया था।

(३) यह सत्य है कि उन्हें वेतन नहीं दिया गया है क्योंकि इन्टरव्यू के समय उन्होंने अपने को मिडल पास बतलाया परन्तु विल के साथ तत्संबंधी प्रमाण कई बार मांगने पर भी उन्होंने नहीं दिया है। अतः उनके कथित योग्यता में संदेह मालूम होता है।

(४) शैक्षिक योग्यता न सिद्ध करने के कारण उन्हें शिक्षक के कार्य से मुक्त कर दिया गया।

श्री अंकुरा हों—मैं यह जानना चाहता हूँ कि जितने दिनों तक उन्होंने काम किया उतने दिनों का वेतन उनको क्यों नहीं दिया गया है?

श्री बदरीनाथ वर्मा—उनसे मिडल पास करने का सर्टिफिकेट मांगा गया, लेकिन उन्होंने न तो पहले ही और न पीछे ही सर्टिफिकेट प्रोड्यूस किया और इसलिये नियुक्ति ही गलत साबित हो गयी है। अतः उनके वेतन देने का प्रश्न नहीं उठता है।

बुनियादी विद्यालयों में छुट्टी।

*१४०२। श्री मुखलाल सिंह—क्या मंत्री, शिक्षा विभाग यह बताने की कृपा करेंगे कि—

(१) क्या यह बात सही है कि इस राज्य के सभी जिलों के बुनियादी विद्यालयों में ४६ दिन की छुट्टी मिलती है पर हजारीबाग जिले में कुल २३ दिन की ही छुट्टी दी जाती है;

(२) क्या यह बात सही है कि हजारीबाग जिले के बुनियादी विद्यालयों में मुस्लिम त्योहारों के अवसर पर एक भी छुट्टी नहीं दी जाती है;

(३) अगर उपरोक्त खंड (१) और (२) के उत्तर “हां” हैं, तो सरकार इस संबंध में क्या कार्रवाई करना चाहती है?

श्री बदरीनाथ वर्मा—(१) इस राज्य के सभी जिलों के बुनियादी विद्यालयों की भांति हजारीबाग जिले के बुनियादी विद्यालयों में भी ४६ दिनों की ही छुट्टी दी जाती है।

(२) उत्तर ना है।

(३) यह प्रश्न नहीं उठता है।

जहानाबाद संस्कृत विद्यालय को सहायता।

*१४०३। श्री शिवमजन सिंह—क्या मंत्री, शिक्षा विभाग, यह बताने की कृपा करेंगे कि—

(१) क्या यह बात सही है कि जहानाबाद (गया जिला) शहर में संस्कृत विद्यालय बहुत वर्षों से चल रहा है मگرि हां, जो सरकार विद्यालय को सालाना कितनी रकम से मदद करती आ रही है;